सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 216 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 12 सितम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

जब आपके पास एक मिलियन डॉलर है, तो आप एक भाग्यशाली व्यक्ति हैं। जब आपके पास 10 मिलियन डॉलर हैं, तो आप पर संकट है, बहुत बड़ा सिरदर्द।
-जैक मा

राजकुमार की हैट्रिक, भारतीय टीम... 7 | महाराष्ट्र में सियासी असमंजस... 3 | भाजपा राज में सच का ही हो... 2

महिलाओं के साथ रेप पर सियासी बवाल

इंदौर व कानपुर में शर्मनाक वारदात

उजागर हुआ बीजेपी का दोहरा चेहरा

» विपक्ष ने योगी व मोहन सरकार को घेरा
» आरोपियों को पकड़ने के लिए दस टीमें बनाई गईं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बंगाल में प्रशिक्षु डॉक्टर रेप कांड पर सियासी हल्ला मचाने वाली भाजपा मध्य प्रदेश व यूपी में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार पर चुप हो जाती है। विपक्ष ने निशाना साधते हुए कहा कि यूपी के कानपुर, लखनऊ, सीतापुर, पश्चिमी यूपी सब जगह रोज महिलाओं से अत्याचार की खबरें आ रही हैं पर भाजपा के कान पर जूं तक नहीं रेंक रही है। वहीं मध्य प्रदेश में अभी उज्जैन में एक किशोरी के साथ अभद्रता का मामला ठंडा भी नहीं हुआ कि

इंदौर में पर्यटक स्थल जामगेट पर बड़ी घटना हो गई। यहां अपनी महिला मित्रों के साथ देर रात आर्मी के अधिकारी घूमने आई थी वहां कुछ बदमाश आए और सभी को बंधक बना लिया और युवती के साथ गैंगरेप किया। उधर यूपी कानपुर हाईवे पर सिर कटी अवस्था में एक महिला का शव मिला है उसके साथ रेप के बाद हत्या की आशंका जा रही है हालांकि पुलिस जांच में जुटी है। कांग्रेस, सपा समेत सभी विपक्षी दलों ने यूपी की योगी सरकार व मप्र की मोहन सरकार को घेरा है। विपक्ष ने कहा कि भाजपा का दोहरा चरित्र उजागर हो गया है। वह अपने विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में घटित-घटनाओं पर तो पूरा हंगामा करती है पर अपने राज्यों में होने वाली दूराचार की घटनाओं पर मौन साध लेती है।

बंगाल पर हंगामा करने वाली भाजपा यूपी व एमपी पर मौन

इंदौर में सेना के अधिकारियों को बंधक बनाया, महिला मित्र से गैंगरेप

इंदौर में पर्यटक स्थल जामगेट पर बड़ी घटना हो गई। यहां अपनी महिला मित्रों के साथ देर रात आर्मी के अधिकारी घूमने आए थे। यहां पर शूटिंग रेंज भी है जहां सभी आपस में बैठकर बातें कर रहे थे। तभी कुछ बदमाश आए और सभी को बंधक बना लिया। इसके बाद सेना के अधिकारियों की जमकर पिटाई की। एक अफसर व एक युवती को बंधक बना लिया और साथी अफसर के साथ एक युवती को छोड़ दिया। इन्हें बोला कि 10 लाख रुपए लेकर आओ तभी इन दोनों को छोड़ेंगे। बदमाशों के चंगुल से छुटकर आए अधिकारी और महिला ने अपनी आर्मी यूनिट और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचते ही बदमाश दोनों बंधकों को छोड़कर भाग निकले। जिस महिला मित्र को बंधक बनाया था उसके साथ गैंगरेप की आशंका है। पुलिस अधिकारियों ने आर्मी अफसर के बयान के हवाले से पहले गैंगरेप होने की बात कही लेकिन अब जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होने की बात कह रही है। घायल सेना के अधिकारियों और महिला मित्रों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना मंगलवार देर रात 2.30 बजे घटी थी। बुधवार शाम को महिलाओं को होश आया। ग्रामीण एसपी हितिका वासल के अनुसार आर्मी के अधिकारियों के बयान के आधार पर लूट, मारपीट, फिरौती व सामूहिक दुष्कर्म की आशंका में केस दर्ज किया है।

कानपुर हाई-वे पर नग्न अवस्था में मिला महिला का सिर कटा शव, रेप के बाद हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

उप्र के कानपुर के गुजैनी हाईवे पर तड़के एक महिला का सिर कटा शव नग्न अवस्था में पड़ा मिला। लोगों ने महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या कर शव यहां फेंके जाने की आशंका जताई है। स्थानीय युवक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाने के साथ ही शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं। पुलिस द्वारा सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने पर एक निजी अस्पताल के सामने से मृतका से मिलते जुलते हुलिये वाली महिला के टहलने का वीडियो हाथ लगा है।

हादसा या हत्या नहीं पता कर पा रही पुलिस

घटनास्थल पर मिले शव की स्थिति को देखकर अधिकारी अभी यह तय नहीं कर पा रहे कि यह हादसा है या हत्या चूंकि शव के सिर का चेहरा तो नहीं है लेकिन बाल मौजूद हैं, गर्दन काटने के निशान नहीं हैं, जबकि सिर को काटना आसान नहीं है। ऐसा लग रहा शव को चलते वाहन से फेंका गया।

हरियाणा चुनाव में आमने-सामने होंगे आप व कांग्रेस

» कांग्रेस ने उम्मीदवारों की चौथी लिस्ट जारी की
» आप ने सभी 90 सीटों पर उतारे प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव नामांकन का आज आखिरी दिन है। सियासी दलों ने अपने उम्मीदवारों की सूचियां जारी कर दी है। कांग्रेस ने जहां अपने उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी कर दी है। वहीं आप ने भी अपने प्रत्याशियों की लिस्ट बता दी है। कांग्रेस की इस सूची में कुल पांच नाम हैं।

आम आदमी पार्टी (आप) ने सभी 90 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं पिछले दिनों आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर लंबी चर्चा चली, हालांकि बात नहीं बनी। इसके बाद आप ने उम्मीदवारों की घोषणा की। कांग्रेस ने अंबाला कैंट से परिमल परी को टिकट दिया है, वहीं रानियां से सर्व मित्रा कंबोज, तिगांव से रोहित नागर, पानीपत ग्रामीण से सचिन कुंडू और नरवाना (एससी) से सतबीर दुबलेन को टिकट दिया है। इससे कुछ घंटे पहले ही कांग्रेस ने तीसरी लिस्ट जारी की थी। इसमें राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला के बेटे आदित्य सुरजेवाला को कैथल से टिकट दिया गया था। बता दें कि कांग्रेस हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों में से 86 पर अपने उमीदवारों के नामों की घोषणा कर चुकी है। अभी चार उम्मीदवार का नाम पैंडिंग हैं, वहीं गुरुवार को नामांकन की आखिरी तारीख भी है, 5 अक्टूबर को वोटिंग होनी है।

आप ने एक और लिस्ट जारी की 2 सीटों पर बदले उम्मीदवार

हरियाणा चुनाव को लेकर आप ने गुरुवार (12 सितंबर) को उम्मीदवारों की सातवीं और आखिरी लिस्ट जारी की। जगाधरी से आप ने आदर्श पाल को उम्मीदवार बनाया है। आदर्श पाल आज ही कांग्रेस छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए हैं। नरनौंद से आप ने राजीव पाली को टिकट दिया था। उनका टिकट काटकर रणवीर सिंह लोहान को उम्मीदवार बनाया। पुनहाना से भी आप ने अपना उम्मीदवार बदला, नेहा खान की जगह आपने नायब ठेकेदार बिसरू को उम्मीदवार बनाया, नूंह से राबिया किदवई को टिकट दिया।

आप चुनाव प्रचार में जुटी

आम आदमी पार्टी के बड़े नेता मनीष सिसोदिया, सुनीता केजरीवाल, संजय सिंह और राघव चड्ढा समेत कई नेता चुनाव प्रचार में जोर-शोर से जुट गए हैं। हरियाणा के आप अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने कहा कि 90 विधानसभा सीटों पर हमारे प्रत्याशी पूरी ताकत से चुनाव लड़ेंगे। अरविंद केजरीवाल की एक मजबूत सरकार बनेगी जो मुफ़्त बिजली, पानी और विश्वस्तरीय शिक्षा देगी और महिलाओं को प्रति माह 1000 रुपये देगी। हम ऐसी सरकार देंगे जो हरियाणा को अपराध मुक्त करेगी, जिसमें व्यापारी खुशहाल होंगे।

बीजेपी के कुशासन से हरियाणा को बचाएंगे : संजय सिंह

वहीं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि हरियाणा में पिछले दस साल से बीजेपी का कुशासन चल रहा है। आम आदमी पार्टी हरियाणा समेत पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी के ख़िलाफ़ लड़ रही है। हम बीजेपी को हराने के मक़सद से हरियाणा में विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। हम 90 की 90 सीटों पर मज़बूती से चुनाव लड़ रहे हैं।

भाजपा राज में सच का ही हो गया एनकाउंटर : अखिलेश

बोले- पहले किसी को उठाओ, फिर झूठी मुठभेड़ की कहानी बनाओ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एनकाउंटरों पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि भाजपा राज में एनकाउंटर का एक पैटर्न सेट हो गया है। इसी पैटर्न के दम पर भाजपा ने सच का ही एनकाउंटर कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कहा कि पहले किसी को उठाओ, फिर झूठी मुठभेड़ की कहानी बनाओ। फिर दुनिया को झूठी तस्वीरें दिखाओ। फिर हत्या के बाद परिजनों द्वारा सच बताए जाने पर तरह-तरह के दबाव व प्रलोभन से उन्हें दबाओ।

अखिलेश ने आगे कहा कि विपक्षी राजनीतिक दलों द्वारा भंडाफोड़ होने पर अपने दोयम दर्जे के नेताओं को आगे करके शीर्ष नेतृत्व को बचाओ। फिर 'जिसका दाना-उसका गाना' वाले संबंधों को निभाने वाले मीडिया को दुष्प्रचार के लिए लगाओ। अखिलेश यहीं नहीं रुके और कहा कि एनकाउंटर के बाद बड़े भाजपा नेताओं से एनकाउंटर को सही साबित करने के लिए बयानबाजी कराई जाती है और जनाक्रोश बढ़ने पर औपचारिक, दिखावटी जांच कराकर मामला रफादफा करवा दिया जाता है।

अपराधी की कोई जाति नहीं होती : अपर्णा

मंगेश यादव के एनकाउंटर से जुड़े सवाल पर अपर्णा ने कहा कि अपराधी की कोई जाति नहीं होती है। आतंकियों में सबसे अधिक मुसलमानों का नाम आता है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि सभी मुसलमानों को आतंकी मान लिया जाए। उन्होंने कहा कि मंगेश यादव के एनकाउंटर की जांच होनी चाहिए और सरकार जांच करा भी रही है। पुलिस कोई कार्रवाई करती है तो उसकी पूरी छानबीन कर लेती है। यदि आरोप लगते हैं तो मामले की जांच होनी चाहिए।

सपा अध्यक्ष ने अपर्णा को दी बधाई

उपाध्यक्ष बनाए जाने के बाद शिवपाल यादव की ओर से बधाई दिए जाने के बारे में अपर्णा ने कहा कि परिवार की सदस्य हूं तो बधाई तो मिलेगी है। मैं परिवार की हूं और रहूंगी। भाजपा में शामिल होने पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी मुझे बधाई दी थी। जो परिवार का संस्कार है, उसका पालन तो होना ही चाहिए।

शिक्षक अभ्यर्थियों के साथ नहीं होने देंगे अन्याय : मायावती

बसपा सुप्रीमो से मिले आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 69000 शिक्षक भर्ती में इलाहाबाद हाईकोर्ट डबल बेंच के आदेश को लागू करने के लिए आंदोलन कर रहे आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का एक प्रतिनिधि मंडल पूर्व मुख्यमंत्री व बसपा प्रमुख मायावती से प्रदेश कार्यालय पर मिला। अभ्यर्थियों ने बसपा प्रमुख को ज्ञापन देते हुए 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण लागू करने में हुई विसंगति के बारे में बताया।

अभ्यर्थियों का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने बताया कि मायावती ने अभ्यर्थियों को आश्वासन देते हुए कहा कि यह लड़ाई हमारी है। हम इस पर बराबर नजर बनाए हुए हैं। किसी भी दशा में आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा यह सरकार की नाकामी है कि मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। सरकार चाहती तो सभी को न्याय अब तक मिल गया होता। किंतु सरकार की नाकामी और लापरवाही से आज आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट की डबल बेंच का फैसला आया था, सरकार इस पर आगे बढ़ सकती थी। किंतु वह इंतजार करती और मामला सुप्रीम कोर्ट में चला गया। अब भी सरकार को ध्यान देना चाहिए कि किसी भी अभ्यर्थी के साथ अन्याय नहीं हो। सरकार कोई ऐसी नीति तैयार करे, जिससे यह मामला सुलझाया जा सके। सभी को न्याय मिल सके। बसपा प्रमुख से मिलने वालों में वीरेंद्र कुमार, नवनीत आदि शामिल थे। बता दें कि मायावती ने मंगलवार को एक्स पर लिखा था कि 69000 शिक्षक भर्ती मामले में आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए।

महानिदेशक से मिले डीएलएड अभ्यर्थी

नई शिक्षक भर्ती के लिए महानिदेशक से मिले डीएलएड अभ्यर्थी प्रदेश में नई प्राथमिक शिक्षक भर्ती के मुद्दे पर बुधवार को डीएलएड मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विशु यादव ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा से मुलाकात कर ज्ञापन दिया। उन्होंने मांग कि जल्द नई भर्ती का अधियाचन शिक्षा सेवा चयन आयोग को भेजा जाए। ताकि आयोग इससे जुड़ी प्रक्रिया शुरू कर सके।

जातिगत जनगणना मुद्दे को प्रदेश में धार देगी कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने की बैठक, हर जिले में कई आयोजन करेगी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के लाख कोशिशों के बाद भी कांग्रेस जातिगत जनगणना के मुद्दे से पीछे हटने को तैयार नहीं है। यूपी कांग्रेस ने प्रदेश में दस सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव के दौरान कांग्रेस जातिगत जनगणना के मुद्दे पर पूरे प्रदेश में माहौल बनाने की तैयारी में लगी है। राज्य का संगठन इस मुद्दे को हर जिले व ब्लॉक स्तर पर पहुंचाने के लिए मैराथन, सम्मान कार्यक्रम व विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

प्रदेश मुख्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की उपस्थिति में हुए भागीदारी न्याय सम्मेलन (जातिगत जनगणना-हक है हमारा) में इसका खाका तैयार किया गया। बैठक में तय किया गया कि 20 सितंबर से दो अक्टूबर तक सभी ब्लॉक स्तर पर श्रमशील जातियों को सम्मानित किया जाएगा। वहीं जातिगत जनगणना हक है हमारा, विषय पर ऑनलाइन व ऑफलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन प्रदेशभर में किया जाएगा। रन फॉर कास्ट सेंसस, रन फॉर जातिगत जनगणना हक है हमारा, रन फॉर सामाजिक न्याय का आयोजन इसी माह से हर जिले में किया जाएगा।

परिवार में बात रखना नाराज होना नहीं : अपर्णा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव ने उप्र राज्य महिला आयोग के उपाध्यक्ष पद पर कार्यभार संभाल लिया है। इसको लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह के कयास लग रहे थे। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की पत्नी के साथ आयोग पहुंची अपर्णा ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बातचीत में अपनी नाराजगी की चर्चाओं पर सफाई भी दी। उन्होंने कहा कि मैं नाराज नहीं हूं। संगठन और सरकार ने मुझे बड़ी जिम्मेदारी दी है।

नाराजगी को लेकर दी सफाई

कार्यभार में हुई देरी पर अपर्णा ने कहा कि वह सही समय की प्रतीक्षा कर रही थी, आज राधाष्टमी है, इसलिए उन्होंने आज के दिन ही कार्यभार ग्रहण करने का फैसला किया था। बता दें कि सरकार ने 3 सितंबर को ही राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष और अपर्णा समेत दो उपाध्यक्षों को नियुक्त किया था। अध्यक्ष बबीता चौहना और दूसरी उपाध्यक्ष चारू चौधरी ने कार्यभार ग्रहण कर लिया था, लेकिन अपर्णा ने पद नहीं संभाला तो उनकी नाराजगी की चर्चाएं शुरू हो गई थी। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए अपर्णा ने खुद की नाराजगी की चर्चाओं को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ अपनी कुछ बातों को रखी थी। परिवार में अपनी बात कहने को नराजगी से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने भाजपा को बड़ा परिवार बताते हुए कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी है। पहले मैं एकलव्य की तरह अपने कार्यों में जुटी थी, अब संगठन के शीर्ष सदस्यों के मार्गदर्शन के बाद मैं अर्जुन की तरह अपने लक्ष्य को प्राप्त करूंगी।

महिलाओं को न्याय दिलाने का काम करूंगी

अपर्णा ने कहा कि राज्य महिला आयोग एक बड़ा प्लेटफार्म है। इसके जरिए हम महिलाओं पर होने वाले अपराधिक मामलों में न्याय दिलाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हमने पहले भी महिलाओं के लिए तमाम काम किया है। एंटी रेप कानून पर भी काम किया। सड़कों पर महिलाओं के हक के लिए लड़ी हूं और उनकी आवाज उठाई है। वहीं, अपर्णा के साथ आई नम्रता पाठक ने कहा कि उपाध्यक्ष पद छोटा पद नहीं है। महिलाओं के लिए काम करने का संकल्प बड़ा होता है।

भाजपा जनता को गुमराह कर रही है : तेजस्वी यादव

बोले-इनके पास दूसरा कोई काम ही नहीं है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

समस्तीपुर। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का समस्तीपुर में भाजपा पर जमकर हमला बोला। वह वहां दो दिवसीय कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कार्यक्रम में भाग ले रहे थे। उन्होंने तेजस्वी यादव ने कहा कि दो दिनों तक कार्यकर्ताओ से सकारात्मक बातचीत हुई। राजद और बिहार को काफी आगे ले जाना है।

कार्यकर्ताओं ने दल को मजबूती प्रदान करने के लिए कई सुझाव दिए हैं। इस मौके पर पत्रकारों द्वारा भाजपा के द्वारा आरक्षण को लेकर दिए गए बयान पर उन्होंने कहा कि भाजपा बड़का झूठा पार्टी है। ये लोग सिर्फ लोगों को गुमराह करते हैं। इनका और कोई दूसरा काम नहीं है। हम लोग बिहार को आगे ले जाने की बात कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं का कहना था कि राजद इन विधानसभा क्षेत्र में अपने सिंबल पर चुनाव लड़े। पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं ने उन्हें जिला कमेटी के लोगों द्वारा तरजीह नहीं दिए जाने का भी मुद्दा उठाया। इस पर तेजस्वी यादव ने कहा कि पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं के लिए पटना मुख्यालय से ही एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा, जिसमें लोग अपनी समस्या डाल देंगे। इस पर कार्रवाई होगी। पटना लौटते ही वह इस ग्रुप एक्टिव करते हुए कार्यकर्ताओं से संवाद करते रहेंगे।

महाराष्ट्र में सियासी असमंजस बरकरार

सीटों को लेकर दोनों गठबंधनों में ऊहापोह

- महायुति व महाविकास अगाड़ि में कड़ी टक्कर की उम्मीद
- कई विस सीटों पर उद्धव का असर
- सीएम शिंदे व फडणवीस पर भारी पड़ सकती है नाराजगी
- शरद-सुले के सामने अजित पवार नवागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में चुनाव अगले साल संभावित हैं। पर वहां राजनीति अभी से गरमाई है। महायुति व महाविकास अगाड़ि में कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है। हालांकि लोक सभा चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें जीतकर कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनी है। उसके सहयोगी एनसीपी शरद पवार गुट व शिवसेना उद्धव गुट भी उत्साहित हैं। उन्हें ऐसा लग रहा है कि इस बार बीजपी की सरकार नहीं आ पाएगी। सर्वे भी यही संकेत दे रहे हैं। पर कहा जाता है राजनीति संभावनाओं का खेल है कुछ भी हो सकता है।

अभी चुनाव में समय है। वैसे भी मराठी नेताओं के कभी-कभी ऐसे बयान आते हैं कि लगता है कुछ बड़ा होने वाला है पर फिर मामला ठंडा पड़ जाता है। आने वाले चुनाव में पता चलेगा ऊंट किस करवट बैठता है। उद्धव ठाकरे को शिवसेना के सबसे मजबूत स्तंभ के रूप में माना जाता है, लेकिन आज के दौर में उनकी राजनीति ऊहापोह में है। जिसको लेकर अब सवाल उठ रहे हैं कि जब शिवसेना का पास 105 सीटें थीं और वह सरकार में थी, तो उनकी ही पार्टी ने उद्धव को ठोकर क्यों मार दी। 2022 में जब उद्धव सरकार गिरी थी तो वह भी शिवसेना की ही वजह से। इसके बाद भी तत्कालीन सीएम रहे उद्धव ठाकरे ने अपनी जिद नहीं छोड़ी और वे शिवसेना के एक बड़े धड़े के विरोध में अडिग बने रहे। इसका नतीजा स्पष्ट था कि कांग्रेस और एनसीपी भी उनकी कुर्सी नहीं बचा पाई। उद्धव ठाकरे शिवसेना के टुकड़ों को सहेजने में विफल रहने के बाद अब दोष बीजेपी पर मढ़ रहे हैं कि भाजपा ने उन्हें भुलावे में रखा और धोखा दिया। राजनीति में उनके इस बयान के कई मायने हो सकते हैं, लेकिन अगर सीधा सा अर्थ लगाया जाए, तो उनका संकेत साफ नजर आता है। उनके इस बयान के मायने ये हैं कि बीजेपी को शिंदे का साथ नहीं बल्कि उद्धव ठाकरे का साथ देना था, ताकि वे महाराष्ट्र की सत्ता में बने रहते। लेकिन हुआ उनकी (उद्धव ठाकरे) अपेक्षा के ठीक उल्टा। दरअसल, शिवसेना जब दो धड़ों में बंटी तो बीजेपी ने शिंदे गुट का साथ दिया था और फिर से बीजेपी ने शिंदे गुट की सरकार ने शपथ ली। इस सबके बीच एक बात तो ये स्पष्ट हो गई है कि महाराष्ट्र में उस वक्त कोई भी दल हो, सबको ये पता था कि बिना बीजेपी के समर्थन के सिर्फ सीएम ही नहीं कोई दल उस वक्त सरकार तक नहीं बना सकता था। अब उद्धव ठाकरे का ताजा बयान इस ओर साफ इशारा करता है कि उन्होंने शिंदे को इसलिए अधिक महत्व नहीं दिया क्योकिं उन्हें अपेक्षा भाजपा से थी लेकिन बीजेपी ने उन्हें किसी तरह का संकेत नहीं दिया। इसलिए ऐसे में उद्धव ठाकरे की एक बार फिर से सीएम बनने की महत्वाकांक्षा जागी और उन्होंने शिवसेना के सिद्धांत और विचारधारा को साइड में रखते हुए कांग्रेस-एनसीपी से हाथ मिला लिया। लेकिन पूरा खेल तब बिगड़ गया जब शिंदे ने भाजपा के साथ गठबंधन कर सरकार का दावा ठोंक दिया।

उद्धव ठाकरे अलग- थलग पड़े!

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना ये भी है कि महाराष्ट्र में शिंदे को महत्व ना देकर उद्धव ठाकरे ने उनके विश्वास के साथ खिलवाड़ करने का काम किया। जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा है। हालात ये हैं अब महाविकास अघाड़ी के नेताओं के बीच उद्धव का कद कहां है, ये स्पष्ट देखा जा सकता है। उनके पास पार्टी संगठन या फिर सरकार का नेतृत्व करने की कोई क्षमता नहीं रह गई है। इसके साथ ही उद्धव ठाकरे ने अब महायुति में अपनी वापसी की डोर भी काट दी है। बीजेपी को 105 और शिवसेना को 56 सीटें मिलीं, इसलिए महायुति को 161 सीटों पर बहुमत मिला था। लेकिन आज उद्धव ठाकरे अलग- थलग पड़ गए हैं। इसकी वजह उनकी मुख्यमंत्री बनने की राजनीतिक महत्वाकांक्षा ही मानी जा रही है।

मालाबार हिल विधानसभा क्षेत्र बीजेपी का किला

महाराष्ट्र की मुंबई दक्षिण लोकसभा क्षेत्र की मालाबार हिल विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं का 1995 के बाद से लगातार भारतीय जनता पार्टी के मंगल लोढ़ा पर आशीर्वाद बना हुआ है। विधायक लोढ़ा पिछले 6 विधानसभा चुनाव से लगातार जीतते चले जा रहे हैं। उनके पहले कांग्रेस के बलवंत देसाई ने भी लगातार 20 साल तक इस विधानसभा क्षेत्र पर राज किया है। मुंबई दक्षिण विधानसभा सीट 15 साल पहले तक भारतीय जनता पार्टी के राज्य में मजबूत गढ़ों में से एक थी, लेकिन 2009 में हुए परिसीमन के बाद कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी के वर्चस्व को समाप्त करते हुए जीत हासिल की थी। जिसके बाद से लगातार 15 साल से यहां पार्टी के नेता अमीन पटेल विधायक बने हुए हैं। इस लोक सभा क्षेत्र की कोलाबा विधानसभा सीट को राज्य में कांग्रेस के सबसे मजबूत क्षेत्रों में से एक माना जाता रहा है। जहां पार्टी 1980 के बाद से लेकर अब तक सिर्फ तीन बार ही चुनाव हारी है। वर्तमान में यह सीट 10 साल से बीजेपी के पास है। जिसके नेता राहुल नार्वेकर इस क्षेत्र के लोगों की आवाज राज्य की विधानसभा में पहुंच रहे हैं। उनके पहले उनकी पार्टी के राज के. पुरोहित भी यहां से जनप्रतिनिधि चुने जा चुके हैं।

अमित शाह व अजित पवार में सीटों पर चर्चा

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले के डिप्टी सीएम अजीत पवार ने अभी हाल में के ंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और कहा कि महायुति के साथ सभी 288 सीटों पर चर्चा के लिए सभी एक साथ बैठेंगे। पवार ने कहा कि अधिकतम चर्चा हो चुकी है, कुछ सीटें बाकी हैं और उन सीटों पर जल्द ही चर्चा की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सटीक संख्या अंतिम चर्चा के बाद आएगी। हमारी अंतिम चर्चा के बाद सटीक संख्या आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि मैं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिला क्योंकि वह गणपति दर्शन के लिए मुंबई आए थे। मैंने कपास और सोयाबीन की खेती से जुड़े कुछ मुद्दों पर चर्चा की. मैंने प्याज के आयात पर प्रतिबंध नहीं लगाने का भी अनुरोध किया है। हमें यह देखने की जरूरत है कि प्याज किसानों को उनकी उपज का अच्छा दाम कैसे मिले। मैंने इन सभी मुद्दों पर चर्चा की है। अजीत पवार ने आगे स्पष्ट किया कि मुंबई में उनकी चर्चा खेती-संबंधी मुद्दों तक ही सीमित थी, जिसमें कपास और सोयाबीन की फसल के बारे में चिंताएं भी शामिल थीं। उन्होंने प्याज किसानों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए प्याज के आयात पर प्रतिबंध नहीं लगाने के अपने अनुरोध का भी उल्लेख किया।

अजित पवार ने कहा कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई। मैंने अमित शाह से कल मुलाकात की थी क्योंकि वह गणपति दर्शन के लिए मुंबई में थे। मैंने कपास, सोयाबीन जैसी खेती से जुड़े कुछ मुद्दों पर चर्चा की थी। मैंने उनसे अनुरोध भी किया था कि ऐसा न करें प्याज के आयात पर प्रतिबंध लगाने के लिए हमें यह देखने की जरूरत है कि प्याज किसानों को उनकी उपज का अच्छा मूल्य कैसे मिलता है। मैंने इन सभी मुद्दों पर चर्चा की। लेकिन जैसा कि कुछ समाचार पत्रों ने बैठक के बारे में बताया है वह गलत और निराधार है, इसमें कोई तथ्य नहीं है।

शिवसेना यूबीटी एनडीए सरकार पर हमलावर

शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने एक बार फिर मोदी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। इतना ही नहीं इस बार राउत के निशाने पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी आ गए। राउत ने पीएम मोदी के यूक्रेन के दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि वे वहां युद्ध की भूमि पर जाकर फोटो खिंचाते हैं, वे मणिपुर की सड़कों पर चलकर दिखाएं। अपने आप को भगवान बताते हैं। भगवान सिर्फ लाशों को देख रहा है। राउत ने कहा, मणिपुर में जो कुछ हो रहा है, उसके जिम्मेदार सिर्फ चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार हैं, इन लोगों की वजह से ही देश की सत्ता इनके हाथों में है। संजय राउत ने कहा, वो नेशनल सुरक्षा सलाहकार कौन हैं, जेम्स बॉन्ड.. वो कहां हैं। दरअसल, संजय राउत मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के गृह मंत्री अमित शाह दो दिन से मुंबई में हैं, चुनाव का जायजा ले रहे हैं, लेकिन वे मणिपुर नहीं जा पा रहे हैं, वहां जायजा नहीं ले पा रहे हैं, राउत यहीं नहीं रुके उन्होंने कहा कि आपके वो नेशनल सुरक्षा सलाहकार कौन हैं, जेम्स बॉन्ड, वो कहां हैं वे यूक्रेन में जाकर युद्ध बंद करा रहे हैं। मणिपुर हिंसा की आग में लगातार जल रहा है. राज्य में आरक्षण को लेकर पिछले साल 3 मई को हिंसा की शुरुआत हुई थी। अब तक हिंसा में 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है. हजारों लोग बेघर हुए हैं। ये हिंसा मैतेई और कुकी समुदाय के बीच फैली है। हाल ही में कुकी उग्रवादियों द्वारा ड्रोन से हमले किए गए हैं। पिछले दिनों मणिपुर में हिंसा में 6 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद राज्य में स्थिति फिर बिगड़ गई. राजधानी इंफाल में कर्फ्यू लगाया गया है। केंद्र सरकार ने सुरक्षाबलों के 2000 अतिरिक्त जवानों को भी भेजा है।

शिवडी विस सीट पर कभी न कभी सभी दल जीते हैं

इस लोकसभा क्षेत्र की शिवडी विधानसभा सीट के मतदाताओं ने अब तक राज्य की सभी बड़ी राजनीतिक पार्टियों को जीतने का मौका प्रदान किया है। वर्तमान में यहां उद्धव ठाकरे के गुट वाली शिवसेना के अजय चौधरी राज्य की विधानसभा में इस क्षेत्र की जनता की आवाज पहुंच रहे हैं। उनके पहले यहां मनसे ने भी 5 साल तक शासन किया है। 1962 में महाराष्ट्र राज्य के गठन के साथ ही मुंबई दक्षिण लोकसभा क्षेत्र की बायकुला विधानसभा सीट भी अस्तित्व में आ गई थी। जिसके बाद 1977 से लेकर 2008 तक यहां मतदान नहीं हुआ था। हालांकि, 2009 में लंबे समय बाद हुए मतदान में कांग्रेस जीतने में सफल रही थी। वर्तमान में इस क्षेत्र को शिवसेना के यामिनी जाधव 2019 के चुनाव में जितने में सफल रहे थे।

मुंबई दक्षिण क्षेत्र पर उद्धव का है दबदबा

मुंबई दक्षिण क्षेत्र महाराष्ट्र का महत्वपूर्ण संसदीय क्षेत्र है। जहां शिवसेना के अरविंद सावंत लगातार 15 साल से सांसद हैं 2022 में शिवसेना में पड़ी फूट के दौरान उन्होंने उद्धव ठाकरे गुट को चुना था। जिसके बाद 2024 में उद्धव ठाकरे के गुट से ही विजेता बने हैं। मुंबई महाराष्ट्र की राजधानी समेत देश की वाणिज्यिक राजधानी भी है। इस क्षेत्र में गेटवे ऑफ इंडिया है। इस प्रवेशद्वार के पास ही पर्यटकों के समुद्र भ्रमण हेतु नौका-सेवा भी उपलब्ध है। इसके अलावा यहां प्रसिद्ध मुस्लिम धार्मिक स्थल हाजी अली दरगाह है। इसे सय्यद पीर हाजी अली शाह बुखारी की स्मृति में सन् 1431 में बनाया गया था। यह मुंबई का महत्वपूर्ण धार्मिक एवं पर्यटन स्थल भी है। यह लोकसभा क्षेत्र पूरी तरह से मुंबई शहर जिले के अन्तर्गत ही आता है। जो वर्ली, शिवडी, बायकुला, मालाबार हिल, मुंबा देवी और कोलाबा विधानसभा क्षेत्रों को मिलाकर बनाया गया है। 2019 में हुए अंतिम चुनाव में तीन सीट पर शिवसेना विजेता बनी थी। तो वहीं बीजेपी के खाते में दो और एक सीट कांग्रेस के खाते में भी गई थी। मुंबई दक्षिण लोकसभा क्षेत्र की वर्ली विधानसभा सीट राज्य में शिवसेना के मजबूत गढ़ों में से एक रही है। जहां पार्टी के मशहूर नेता रहे दत्ताजी नलावडे ने 1990 से लेकर 2009 तक लगातार चार बार जीत हासिल की थी। इसके बाद 2009 के चुनाव में यहां एनसीपी जीतने में सफल रही थी, लेकिन पिछले 10 साल से यहां शिवसेना ने दोबारा से अपना कब्जा जमा लिया है। वर्तमान में पार्टी के युवा नेता आदित्य ठाकरे विधायक हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जलवायु परिवर्तन पर नहीं चेते तो खत्म होगा वजूद!

दरअसल, सिंधु घाटी सभ्यता के पतन पर एक और शोध में यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थानके शोधकर्ताओं ने पाया है कि 4,000 साल से भी पहले सिंधु घाटी सभ्यता का पतन जलवायु में उतार-चढ़ाव की वजह से हुआ था। जलवायु कारकों की वजह से आज भी मानसून प्रभावित होता है।

आजकल दुनिया जलवायु परिवर्तन के कहर से गुजर रही है। पूरे विश्व में अलग-अगल मंचों पर इसके संभावित खतरों पर बात तो नीति नियंता कर रहे है, लेकिन इससे निपटने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रही है। अभी हाल में एक नई रिसर्च रिपोर्ट आई है जिसमें कहा गया कि जलवायु परिवर्तन ने ही सिंधु घाटी जैसी महान सभ्यता का विनाश कर दिया। अब विशेषज्ञ कह रहे है आज हम नहीं चेते तो हमारा भी वजूद खत्म होजाएगा। दरअसल, सिंधु घाटी सभ्यता के पतन पर एक और शोध में यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थानके शोधकर्ताओं ने पाया है कि 4,000 साल से भी पहले सिंधु घाटी सभ्यता का पतन जलवायु में उतार-चढ़ाव की वजह से हुआ था। जलवायु कारकों की वजह से आज भी मानसून प्रभावित होता है। क्वाटरनेरी इंटरनैशनल में प्रकाशित यह रिसर्च रिपोर्ट में दक्षिण भारत के गुंडेश्वर और कडप्पा गुफाओं में पाए गए प्राचीन गुफा संरचनाओं (स्पेलियोथेम्स) से साक्ष्य पेश किए गए हैं। इन गुफाओं से मिले साक्ष्य बताते हैं कि लंबे समय तक सूखे की एक श्रृंखला चलते रहने के कारण सिंधु घाटी सभ्यता में मानसून प्रणाली कमजोर हो गई जिस कारण सूखे के हालात बने रहे। शोध दल ने प्रायद्वीपीय भारत में गुफा की जांच की। इसमें 7,000 साल का क्लाइमेट रिकॉर्ड सामने आया।

इससे क्षेत्र के पिछले जलवायु परिवर्तनों के बारे में विस्तृत जानकारी मिली। उनके निष्कर्षों से पता चला कि लगभग 4,200 साल पहले कम सौर विकिरण, बढ़ी हुई अल नीनो घटनाएं, इंटरट्रॉपिकल कन्वर्जेंस जोन का दक्षिण की ओर पलायन, और हिंद महासागर डिपोल का एक नकारात्मक चरण मिलजुलकर मानसून पैटर्न को कमजोर कर रहे थे। मानसून के कमजोर होने से संभवत: सिंधु घाटी सभ्यता का पतन हुआ, जिसमें हड़प्पा और मोहनजोदारो जैसे प्रमुख शहरी केंद्र के साथ-साथ धोलावीरा, लोथल और राखीगढ़ी जैसी बस्तियां शामिल थीं। दिलचस्प बात यह है कि आज हम मानसून को प्रभावित करने वाले क्लाइमेट पैटर्न देखते हैं, वे हजारों साल पहले भी मौजूद थे, जिन्होंने पूरी सभ्यताओं के भाग्य को आकार दिया था। अक्सर रेन बेल्ट के रूप में जाना जाने वाला आईटीसीजेड भारतीय उपमहाद्वीप में वर्षा को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही, हिंद महासागर में समुद्र की सतह के तापमान को प्रभावित करने वाला क्लाइमेट पैटर्न आईओडी के एक नकारात्मक असर ने पूर्वी हिंद महासागर को ठंडा कर दिया, जिससे उपमहाद्वीप में नमी का संचार और कम हो गया। इस अवधि में सौर विकिरण में कमी और अल नीनो घटनाओं में वृद्धि भी हुई, जिससे सूखे की स्थिति और भयंकर हो गई, जिसने सिंधु घाटी को लंबे समय तक परेशान किया। वर्तमान में भी कुछ क्षेत्रों में ऐसा ही हो रहा है अगर हम सतर्क नहीं हुए तो भारत में भी आने वाले समय में ऐसा हो सकता है पूरा भारतीय सभ्यता खत्म हो सकती है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आंतरिक सुरक्षा के लिए सबक है मणिपुर संकट

बीएल वोहरा

मणिपुर में मैतेयियों पर हमला करने के लिए कुकी विद्रोहियों द्वारा रॉकेट और बम ले जाने में सक्षम ड्रोनों का इस्तेमाल किया जाना, सूबे की अशांति में एक नया खतरनाक आयाम दर्शाता है। इनका इस्तेमाल न केवल मैतेयी बल्कि पूर्वोत्तर के अन्य उग्रवादी संगठनों के अलावा जम्मू-कश्मीर एवं भारत भर में सक्रिय उग्रवादियों, विद्रोहियों, नक्सलियों और अंदरूनी-बाहरी ताकतों को भी नया तरीका सुझाएगा। जहां इन ड्रोनों का इस्तेमाल ज्यादातर हमास और हिजबुल्लाह जैसे अत्यधिक संगठित उग्रवादी समूहों द्वारा इस्राइल के खिलाफ किया जाता है वहीं इस्राइल, रूस और यूक्रेन जैसे देशों की सेना भी युद्धों में करती आई हैं। लेकिन अब अपराधियों के हाथों में, ये घातक हथियार का रूप धर सकते हैं।

मणिपुर सरकार, सुरक्षा बल और केंद्रीय सरकार, यह सभी, हिंसा की अप्रत्याशित ताजा लहर से घिरे पाए गए हैं। या तो खुफिया एजेंसियां इस इजाफे का अनुमान लगाने में विफल रहीं या फिर प्रतिक्रिया यथेष्ट नहीं रही, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि, केंद्र सरकार के पास इस खतरे का मुकाबला करने के लिए तमाम संसाधन हैं। सेना, असम राइफल्स और भारतीय वायु सेना को तुरंत एकीकृत अभियान से इस नए खतरे पर लगाम लगानी चाहिए। उम्मीद है कि वे जल्द ही ऐसा करेंगे भी। लेकिन मणिपुर पुलिस को प्रशिक्षित करना और सुसज्जित करना एक चुनौती होगी, क्योंकि यह पूरी तरह से अलग खेल है। राज्य पुलिस की विगत कारगुजारी का लेखा-जोखा खराब रहने के कारण उसे पुनर्गठित करना होगा। आंतरिक और बाहरी, दोनों तरह की खुफिया एजेंसियों को भी अपने काम में काफी चुस्ती लानी होगी। कुकी उग्रवादी हाल के हमलों को अंजाम देने में इसलिए सक्षम हुए हैं क्योंकि उन्हें नशा माफिया से भारी मदद मिलती है, जो पिछले साल से मणिपुर में चल रही उथल-पुथल के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। चूड़ाचांदपुर और आसपास के इलाकों में अफीम की खेती में उछाल आया है जो कि मुख्य रूप से कुकी करते हैं- क्योंकि म्यांमार में सेना द्वारा बढ़ाए दबाव के कारण उनके रिश्तेदारों की मणिपुर में आमद हुई है।

मणिपुर तस्करी के लिए कुख्यात 'गोल्डन ट्राइंगल' के छोर पर स्थित है और इस कारोबार का रास्ता भारत एवं अन्य देशों के लिए यहीं से होकर गुजरता है। इसलिए, नशा माफिया मणिपुर पर संपूर्ण नियंत्रण चाहता है।

कुकियों की गतिविधियों की वित्तीय सहायता करने को उनके पास पैसे की कोई कमी नहीं है। पिछले वर्ष मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह आदेश, जिसमें राज्य सरकार से मैतेयियों के लिए अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने पर विचार करने और आगे यह सिफारिश केंद्र सरकार को पहुंचाने के लिए कहा गया था, इसका उपयोग जान-बूझकर अर्थ गलत पेश करके कुकी-मैतेयी के बीच संघर्ष की चिंगारी भड़काने में किया गया। कुकी अब न केवल एक अलग राज्य चाहते हैं, बल्कि एक अलग देश, 'कुकीलैंड' चाहते हैं, इसमें वे संपूर्ण पूर्वोत्तर और बांग्लादेश का कुछ इलाका बताते हैं। दूसरी ओर, नागा लोग भी अपने लिए अलग राष्ट्र के रूप 'ग्रेटर नागालैंड' बनाना चाहते हैं, जिसमें मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार के कुछ हिस्से दर्शाते हैं। फिर, असम का 'उल्फा' (यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम) भी यही कुछ चाहता है। चीन, बांग्लादेश और पाकिस्तान अपने हितों की पूर्ति हेतु इन टकरावों को हवा दे रहे हैं। चीन पहले ही अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता रहा है। गौरतलब है कि 1962 में चीन ने भारत पर दो तरफ से हमला किया था-एक था, नॉर्थईस्ट फ्रंटियर एजेंसी इलाके में (जिसमें फिलहाल अरुणाचल प्रदेश और असम के कुछ हिस्से हैं) और दूसरा मोर्चा लद्दाख क्षेत्र के आसपास खोला था। जिस वक्त पाकिस्तान वजूद में आ रहा था, तब भी कुछ मुस्लिम नेताओं की मांग थी कि पूर्वोत्तर पूर्वी पाकिस्तान में शामिल किया जाए। उनके मुताबिक असम इस नए देश का 'नैसर्गिक विस्तार' है। यह विचार अभी भी बांग्लादेश में कहीं न कहीं जिंदा है। निस्संदेह, पूर्वोत्तर भारत की नाजुक रग है। कई शक्तिशाली देशों की भारत को कमजोर करने में दिलचस्पी है। केंद्र सरकार द्वारा सालों तक पूर्वोत्तर, विशेषकर मणिपुर, की उपेक्षा करना एक तथ्य है।

पिछले साल शुरू हुए संघर्ष को ढंग से नियंत्रित करने में विफलता ने दुश्मनी निभाने वाली शक्तियों को उत्साहित किया है। इसलिए ये तत्व अब पूर्वोत्तर के अलावा संपूर्ण भारत को अस्थिर करने के लिए एकजुट होने लगे हैं। मणिपुर में बिगड़ते हालात- जिसने न केवल राज्य के निवासियों बल्कि पूरे देश के लोगों को परेशान कर रखा है, चिंता का विषय है। अन्य देश अवश्य ही भारत के घटनाक्रम पर नजर रखे हुए होंगे। वे इंतजार में होंगे कि देखें भारत इससे कैसे निपटता है। भारत जैसी उभरती हुई शक्ति को स्थिति अपने हाथ से निकलना और अधिक गवारा नहीं करना चाहिए। वक्त आ गया है कि देश अपनी पूरी ताकत से जवाब दे और इस क्षेत्र के मामलों में अधिक दिलचस्पी लेकर काम करे।

झलक रहे रुख के बावजूद मौजूद यक्ष प्रश्न

ऋतुपर्ण दवे

देश में चंद राज्य ऐसे हैं जहां तेवर, साफगोई, मिजाज और माहौल साफ-साफ दिखते हैं। उनमें एक हरियाणा, बेहद अहम है। यहीं से देश में आयाराम-गयाराम की राजनीति शुरू हुई और इतनी कि एक दिन में कई बार दल बदलने का रिकॉर्ड भी हरियाणा के नाम ही है। जिस हरियाणा में बीते लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की खामोशी दिखी और ऐसी कि बड़े-बड़े विश्लेषक भी सही आंकलन नहीं कर पाए। वहीं अब माहौल बहुत साफ दिख रहा है या यूं कहें कि हरियाणा का रुख झलकने लगा है। हरियाणा में हक की लड़ाई और विरोध की ताकत हमेशा बिना लाग-लपेट दिखती है। इसी से देश के इस छोटे से राज्य की अहमियत अलग झलकती है जिससे राजनीतिक बैरोमीटर का दबाव समझने वालों को आसानी होती है। यही तेवर और कलेवर हरियाणा की खास पहचान हैं। वहां की मिट्टी ही अलग है जो इस छोटे से राज्य ने खेलों, खासकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वो मुकाम बनाया जो देश-दुनिया में हरियाणावी पहचान बना।

खेल भावना और एथलीट बनने के जुनून के साथ फौज में जाने की होड़ ने देश की आबादी के महज 2 फीसद हिस्सेदारी वाले हरियाणा को अलग पहचान दी। यदि इसे आंकड़ों में बदलें तो ऐसा राज्य है जो अब तक जीते ओलंपिक पदों में 30 फीसद और हालिया पेरिस ओलंपिक में 21 फीसद हिस्सेदारी रखता है। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत द्वारा जीते 6 पदकों में से 4 हरियाणा ने दिये। अब वही हरियाणा खेलों से निकल, विधानसभा चुनाव में देश की राजनीति में नया खेल दिखाने को तैयार है। हरियाणा चुनाव, जाट और गैर-जाट समीकरण पर होते हैं। अभी टिकट बंटने और कटने का दौर जारी है। लेकिन जैसे बगावती तेवरों का भाजपा को सामना करना पड़ रहा है वह पूरे देश में अलग से हैं। अनुशासन की सख्ती और शीर्ष नेतृत्व के इशारों पर चलने वाली भाजपा में जो विरोध, अंतर्कलह, बगावत और इस्तीफों का दौर चल रहा है उससे हर कोई हैरान है। यह भाजपा के लिए शुभ संकेत नहीं है। महज 90 सीटों वाले इस राज्य में अभी काफी कुछ दिखना-दिखाना बाकी है।

यहां 40 सीटों पर जाट प्रभाव रखते हैं। 1966 में पंजाब से अलग होकर 33 साल तक इनका राजनीति में वर्चस्व रहा। चौधरी देवी लाल, बंसी लाल, भूपिंदर सिंह हुड्डा लंबे समय तक सत्ता में रहे। गैर-जाट समुदाय से भगवत दयाल शर्मा, राव बीरेंद्र सिंह, बिश्नोई समुदाय से भजन लाल तो पंजाबी समुदाय से मनोहर लाल खट्टर और नायब सिंह सैनी मुख्यमंत्री बने। वर्ष 2019 में बहुमत से पिछड़ी भाजपा ने 40 सीटें जीतीं तो कांग्रेस 31 पर रुक गई। जजपा ने 10 सीटें जीत ताज भाजपा को पहनाया जो अब विरोध में है। वहीं नए प्रयोग से अनुशासन का नया संदेश देते हुए भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने तब पंजाबी समुदाय के मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री बनाया। लेकिन चुनाव से ऐन पहले हवा के रुख को भांपते हुए बड़ी सोशल इंजीनियरिंग की। आनन-फानन में ओबीसी समुदाय के नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया तो प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर ब्राह्मण चेहरा मोहन लाल बडौली को बिठाया।

उधर, जाट वोट में सेंधमारी की रणनीति के तहत पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल की बहू किरण चौधरी को न केवल भाजपा में शामिल किया बल्कि राज्यसभा तक पहुंचा, बड़ा दांव खेला। कांग्रेस ने भी ओलंपियन और एथलीटों को न केवल दल में लिया बल्कि पहलवान आंदोलन की प्रमुख विनेश फोगाट को टिकट देकर दूसरी चाल चल दी। बजरंग पुनिया को किसान कांग्रेस की अहम जिम्मेदारी सौंप स्थिति तू डाल-डाल तो मैं पात-पात वाली बना दी। सतर्क कांग्रेस अपना जनाधार और हाईकमान को रुतबा दिखाने खातिर पसीना बहाती दिखी जरूर, लेकिन गुटबाजी अब तक नहीं थमी। हुड्डा और सैलजा ने अपने-अपने प्रभाव दिखाने की मुहिम के तहत खूब रैलियां, यात्राएं निकालीं। हुड्डा की 'हरियाणा मांगे हिसाब' तो सैलजा की 'जनसंदेश यात्रा' से कांग्रेस के प्रति लोगों का झुकाव और माहौल तो दिखा लेकिन असल में ये कहीं न कहीं नतीजों से पहले मुख्यमंत्री पद की खातिर जोर आजमाइश से ज्यादा नहीं थीं।

हवा का रुख भांपते हुए भाजपा को एमएसपी, किसान आन्दोलन, अग्निवीर योजना का असर, महिला पहलवानों की बगावत, जातीय जनगणना, रोजगार गारंटी का मुद्दा सताने लगा। मुख्यमंत्री बदले जाने के बावजूद धरातल पर दिख रही एंटी इन्कंबेंसी का लाभ उठाने के बजाय कांग्रेस गुटों में ही उलझी है तो गठबंधन धर्म की दुहाई पर 'आप' के साथ सीट शेयरिंग पर भी सहमति न हो पाना बड़ी मुसीबत बनेगी। ऐसे में भूपिन्दर-दीपेन्दर हुड्डा बनाम कुमारी सैलजा के बीच नहीं थमती गुटबाजी से पहले ही इंडिया गठबंधन में गांठें खुलेंगी या बढ़ेंगी की चर्चाएं शुरू हो गईं। 22 जिलों वाला उत्तरी भारत का बेहद निराला और खुलकर बोलने वाला राज्य अहीरवाल, जाटलैंड और उत्तरी हरियाणा इलाकों में बंटा है। चुनाव से पहले हरियाणा ही अब वो राज्य है जो साफ संकेत देता है। झलक रहे रुख के बावजूद हरियाणा में भाजपा-कांग्रेस में सब कुछ ठीक हो जाएगा, लगता नहीं। अब ताज किस के सिर होगा तीसरी बार भाजपा या फिर कांग्रेस के, देखने लायक होगा? इंतजार कीजिए, आठ अक्टूबर अभी दूर है।

चाय न पीने से कई समस्याओं से मिलेगी राहत

हममें से ज्यादातर लोगों के दिन की शुरुआत चाय के साथ होती है। चाय पीना फायदेमंद है या नुकसानदायक इसपर लंबे समय से बहस होती रही है। अध्ययनों में भी इसके मिले-जुले परिणाम देखे गए हैं। कुछ शोध बताते हैं दूध वाली चाय की जगह ब्लैक-टी पीने से कई स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं जबकि कुछ शोधकर्ताओं का मानना है कि चाय में कैफीन होने के कारण इसके नियमित या ज्यादा सेवन से कई साइड-इफेक्टस भी हो सकते हैं। वैसे तो सीमित मात्रा में चाय पीना आमतौर पर ज्यादातर लोगों के लिए नुकसानदायक नहीं माना जाता है, लेकिन अगर आप इसका अधिक या दिन में चार-पांच बार चाय पीते हैं तो इससे कुछ साइड इफेक्ट हो सकते हैं। ज्यादातर समस्याएं चाय में मौजूद कैफीन और टैनिन के कारण होती हैं। तो अगर एक महीने तक चाय छोड़ने से शरीर में कई वस्थ परिवर्तन हो सकते हैं। 30 दिनों तक कैफीन का सेवन कम होने से अच्छी और बेहतर नींद आती है, चिंता कम होती है साथ ही पाचन स्वास्थ्य में भी सुधार देखा जा सकता है।

सुधरेगी नींद की समस्या

चाय में प्राकृतिक रूप से कैफीन होता है, इसलिए इसका अधिक सेवन आपके नींद चक्र को बाधित कर सकता है। कुछ शोध बताते हैं कि कैफीन का अधिक सेवन मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को बाधित कर सकता है। ये हार्मोन मस्तिष्क को संकेत देता है कि सोने का समय हो गया है। नींद की कमी थकान, याददाश्त की कमी के अलावा मोटापे और ब्लड शुगर नियंत्रित न रहने जैसी दिक्कतें भी बढ़ा सकती है। इसलिए चाय पीने की आदत हमारे शरीर को तो नुकसान पहुंचाता है साथ ही हमारी नींद में भी खलल डालता है। जो कई समस्याओं को उत्पन्न करता है। इसके अलावा प्रेग्नेंसी में ज्यादा चाय पीने से महिला के साथ गर्भ में पल रहे बच्चे को भी नुकसान पहुंच सकता है। प्रेग्नेंसी में चाय से दूरी बनानी चाहिए।

छूट जायेगी कैफीन की लत

कैफीन, आदत बनाने वाला उत्तेजक है, यही कारण है कि चाय या कॉफी पीने की आपको बार-बार इच्छा होती है। समय पर चाय न मिलने से सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, हृदय गति में वृद्धि और थकान जैसी दिक्कतें भी हो सकती हैं। ये चाय में मौजूद कैफीन की वजह से ऐसा होता है. जब किसी व्यक्ति को चाय की लत लग जाती है तब वह कैफ़ीन का आदी बन जाता है। उसे बार-बार कैफीन की क्रेविंग होती है। एक महीने तक चाय-कॉफी जैसी कैफीन वाली चीजों से दूरी बना लेने से कैफीन की लत भी समय के साथ कम होने लग जाती है। ये शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए फायदेमंद है।

पाचन की समस्या से राहत

चाय की पत्तियों में मौजूद टैनिन की अधिकता होती है जो शरीर में मौजूद आयरन के तत्वों से चिपक जाता है और उन्हें पाचन क्रिया से खत्म कर देता है। आयरन की कमी से एनीमिया की समस्या हो जाती है। एनीमिक लोगों को चाय पीने से बचना चाहिए। वहीं कुछ लोगों को ज्यादा चाय पीने के कारण गैस बनने, मतली या पेट दर्द जैसे असुविधाजनक लक्षण हो सकते हैं। नियमित रूप से या रोजाना अधिक चाय के कारण आपको पाचन की गंभीर दिक्कतें भी हो सकती हैं। एक महीने तक चाय या कैफीन वाली चीजों से दूरी बनाने से पाचन की दिक्कतें ठीक होने लगती हैं, कब्ज-अपच का खतरा कम होता है। पाचन में सुधार के लिए भी ये फायदेमंद है।

हंसना मना है

पत्नी द्वारा तलाक दे दिए जाने के बाद, एक व्यक्ति ने अपने दोस्त से पूछा -अब आपको बहुत तकलीफ रहती होगी? दोस्त ने कहा- नहीं, अब तो मैं ज्यादा सुखी हूं। पहले मुझे दो लोगों का काम करना पड़ता था, अब एक का ही करना पड़ता है। ये सुनकर दोस्त बेहोश।

पति और पत्नी का जोरदार झगड़ा होता है। पति गुस्से से-तेरी जैसी 50 मिलेंगी। पत्नी हंसके-अभी भी मेरी जैसी ही चाहिए?

मायके से सोनू की पत्नी का फोन आया और बोली, क्या तुम मुझे याद करते हो? सोनू - पगली अगर कुछ याद करना इतना आसान होता, तो दसवीं में टॉप ना कर जाता?

साली- जीजा अगले 7 जन्म में क्या बनोगे? जीजा- जी छिपकली बनूंगा। साली- वो क्यों? जीजा- क्योंकि आपकी बहन सिर्फ छिपकली से ही डरती है। ये बात साइड में खड़ी बीवी सुन रही थी। उसके बाद जीजा जी को अगले कुछ दिनों तक एक ही आंख से देखना पड़ा।

डॉक्टर- तुम्हारे होंठ कैसे जल गए? आदमी- मायके जाने के लिए पत्नी को स्टेशन छोड़ने गया था! खुशी के मारे इंजन को ही चूम लिया!

कहानी | मृत्यु टाले नहीं टलती

भगवान विष्णु गरुड़ पर बैठ कर कैलाश पर्वत पर गए। द्वार पर गरुड़ को छोड़ कर खुद शिव से मिलने अंदर चले गए। तो कैलाश की अपूर्व प्राकृतिक शोभा को देखकर गरुड़ मंत्रमुग्ध हो गये तभी उनकी नजर एक खूबसूरत छोटी सी चिड़िया पर पड़ी। चिड़िया कुछ इतनी सुंदर थी कि गरुड़ के सारे विचार उसकी तरफ आकर्षित होने लगे। उसी समय कैलाश पर यम देव पधारे और अंदर जाने से पहले उन्होंने उस छोटे से पक्षी को आश्चर्य की द्रष्टि से देखा। गरुड़ समझ गए उस चिड़िया का अंत निकट है और यमदेव कैलाश से निकलते ही उसे अपने साथ यमलोक ले जाएंगे। गरूड़ को दया आ गई। इतनी छोटी और सुंदर चिड़िया को मरता हुआ वह नहीं देख सकते थे। उसे अपने पंजों में दबाया और कैलाश से हजारों कोश दूर एक जंगल में एक चट्टान के ऊपर छोड़ दिया, और खुद वापिस कैलाश पर आ गए। फिर आखिर जब यम बाहर आए तो गरुड़ ने पूछ ही लिया कि उन्होंने उस चिड़िया को इतनी आश्चर्य भरी नजर से क्यों देखा था। यम देव बोले- गरुड़ जब मैंने उस चिड़िया को देखा तो मुझे ज्ञात हुआ कि वो चिड़िया कुछ ही पल बाद यहां से हजारों कोस दूर एक नाग द्वारा खा ली जाएगी। मैं सोच रहा था कि वो इतनी जल्दी इतनी दूर कैसे जाएगी, पर अब जब वो यहां नहीं है तो निश्चित ही वो मर चुकी होगी। गरुड़ समझ गये मृत्यु टाले नहीं टलती चाहे कितनी भी चतुराई की जाए।

इसलिए श्रीकृष्ण कहते है... करता तू वह है, जो तू चाहता है, परन्तु होता वह है, जो मैं चाहता हूं, कर तू वह, जो में चाहता हूं फिर होगा वो, जो तू चाहेगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज व्यापार में पार्टनर से मतभेद समाप्त होगा। नौकरी में अधिकारी का सहयोग तथा विश्वास मिलेगा। पारिवारिक व्यस्तता रहेगी। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा।

वृषभ

धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी। मशक्कत करने से लाभ होगा। शत्रु भय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी।

मिथुन

आज कार्य में सफलता मिलेगी। शत्रु पराजित होंगे। विवेक से कार्य बनेंगे। कारोबारी नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कर्क

आज देव दर्शन का लाभ प्राप्त करेंगे। राज्य से लाभ होने की संभावना। मातृ पक्ष की चिंता। वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें। धनागम की संभावना।

सिंह

आज आपको व्यापार में आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना। शत्रु पराजित होंगे। लाभ होगा। स्वास्थ्य ठीक होगा। अनजाना भय सताएगा। राज्य से लाभ।

कन्या

आज धनलाभ होगा। बुद्धिपूर्वक कार्य करने से नौकरी में लाभ होगा। शत्रु से परेशान होंगे। अपमान होने की संभावना। कष्ट की संभावना। धनहानि। कष्ट-पीड़ा।

तुला

आज भूमि-भवन खरीदी संबंधी योजना बनेगी। नौकरी में उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। धनागम सुस्त रहेगा। कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा। भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक

आज परिवारसहित पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यापार में लाभ तथा पराक्रम ठीक बना रहेगा। रिश्तेदारी में दु:खद समाचार प्राप्त होंगे। भयकारक दिन रहेगा।

धनु

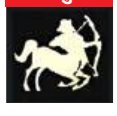

आज धनागम सुखद रहेगा। प्रेम संबंधों में सफलता मिलेगी। कुछ अतिरिक्त आय होगी। माता को कष्ट रहेगा। भय, पीड़ा व भ्रम की स्थिति बन सकती है।

मकर

व्यापारिक प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा के योग बनेंगे। कुछ कष्ट होने की संभावना। लाभ के योग बनेंगे। स्त्री वर्ग को कष्ट। कुसंग से कष्ट होगा। घर-बाहर अशांति रह सकती है।

कुम्भ

आज शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। विरोध बढ़ने की संभावना है। आज अचानक चिंताएं जन्म लेंगी।

मीन

व्यापार में आज संभावित यात्रा होगी। बाहर जाते समय सावधानी बरतना होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी।

मुझे जवान दिखाने के लिए बोटॉक्स की जरूरत महसूस नहीं होती : करीना

फिल्म इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों के बोटॉक्स कराने और प्लास्टिक सर्जरी को लेकर काफी बातचीत होती है। हाल ही में, करीना कपूर ने भी इस मामले पर चर्चा की है और इस तरह के ट्रीटमेंट कराने पर अपने विचार साझा किए है। करीना कपूर जल्द ही फिल्म द बकिंघम मर्डर्स में भी नजर आने वाली हैं। करीना कपूर ने कहा कि उन्हें कभी बोटॉक्स या किसी अन्य कॉस्मेटिक बदलाव की जरूरत महसूस नहीं होती है और वो उनकी उम्र वाली भूमिकाएं ही अदा करती हैं। करीना ने यह भी कहा कि उनके पति सैफ अली खान को वो वैसे ही आकर्षक लगती हैं, जैसी वो हैं। करीना ने कहा उनके दोस्त भी तारीफ में कहते हैं कि वो अच्छी दिखती हैं। करीना ने कहा कि उनकी फिल्में अच्छी चल रही हैं और उन्हें अपनी उम्र वाले रोल करने पर गर्व हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वो जवान दिखने की कोशिश नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा कि वो चाहती हैं कि लोग उन्हें उसी तरह देखें, जैसे वो हैं और तारीफ करें।

बेबो ने सेल्फ केयर का मतलब समझाते हुए कहा कि खुद के लिए वक्त निकालना ही सेल्फ केयर होता है। फिर चाहे सैफ के साथ खाना बनाना हो, दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताना हो या कसरत करना हो। उन्होंने कहा कि उनके लिए दिल खोलकर बात करना और अच्छा खाना खाना काफी जरूरी है। द बकिंघम मर्डर्स की बात करें तो ये 13 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्देशन हंसल मेहता ने किया है। फिल्म में ऐश टंडन, रणवीर बरार और कीथ एलन ने भी काम किया है। इसके बाद करीना दिवाली पर रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की पांचवी फिल्म सिंघम अगेन और मेघना गुलजार की दायरा में भी दिखाई देंगी।

किरण राव की फिल्म 'लापता लेडीज' अब जापान में होगी रिलीज

किरण राव निर्देशित 'लापता लेडीज' की खोज अब जापान में भी होगी। प्रतिभा रांटा, नितांशी गोयल और स्पर्श श्रीवास्तव अभिनीत फिल्म को रिलीज के बाद से ही काफी प्रशंसा मिल रही है। दर्शकों के साथ-साथ क्रिटिक्स ने भी फिल्म और इसके कलाकारों के अभिनय की खूब तारीफ की।

दरअसल, रिलीज के महीनों बाद भी लापता लेडीज, अब जापान में रिलीज होने के लिए तैयार है। आमिर खान प्रोडक्शंस ने आज अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इसकी घोषणा की। अपने एक्स हैंडल पर प्रोडक्शन हाउस ने बताया कि फिल्म इस साल 4 अक्टूबर को जापान में रिलीज की जाएगी। फिल्म का

ट्रेलर साझा करते करते हुए प्रोडक्शन हाउस ने लिखा, 'लापता लेडीज की खोज पूरी नहीं हुई है अब तक! 4 अक्टूबर, 2024 को शोचिकू द्वारा जापान में रिलीज की जाएगी।' भारत में सराहना और सफलता प्राप्त करने के बाद अब फिल्म जापान भी पहुंच चुकी है। 'लापता लेडीज' ने ओटीटी पर रिलीज होने के बाद वहां पर भी धूम मचा दी थी। बॉलीवुड के कई दिग्गजों ने इसकी तारीफ की थी।

आपको बता दें कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के लिए फिल्म की एक विशेष स्क्रीनिंग रखी गई थी और उसमें आमिर खान भी शामिल हुए थे। फिल्म ने सराहना तो प्राप्त की है, लेकिन साथ ही विवादों का भी सामना किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आमिर खान के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके अभिनेता महादेवन ने 'लापता लेडीज' के निर्माताओं पर साहित्यिक चोरी का आरोप लगाया था और कहा था कि फिल्म के निर्माताओं ने 1999 में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'घूंघट के पट' से कई सीन कॉपी किए हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

पीआर गेम से फिल्म इंडस्ट्री को हो रहा है नुकसान : सिद्धांत

अपनी आगामी फिल्म युद्धा की रिलीज के लिए तैयार अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने हाल ही में बॉलीवुड के सामने आने वाली चुनौतियों, खासकर इंडस्ट्री की धारणा पर पीआर के प्रभाव के बारे में बात की। बॉलीवुड की वर्तमान स्थिति के बारे में बताते हुए सिद्धांत ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कैसे पीआर फिल्मों और अभिनेताओं दोनों की धारणा को प्रभावित करता है। अभिनेता की प्रतिभा और कंटेंट को प्रभावित करता है। सिद्धांत ने कहा, बाजार की बहुत सारी ताकतें काम कर रही हैं। बहुत सारा पीआर है जिसे मैं भी समझ रहा हूं। उन्होंने आगे कहा, भले ही आप एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं, लेकिन आप किसी और के पीआर से पीछे रह सकते हैं। यह अभी धारणा का खेल है जो बॉलीवुड को नुकसान पहुंचा रहा है। सिद्धांत का मानना है कि दिखावे और पीआर स्टंट पर ध्यान केंद्रित करने से इंडस्ट्री पर लोगों का विश्वास कम हो जाता है। उन्हें लगता है कि कई प्रोजेक्ट सार से ज्यादा छवि के बारे में हैं, जिससे क्वालिटी में गिरावट नजर आती है। सिद्धांत ने कहा, आप अपने पीआर और कई दिखावे के साथ उसमें हेरफेर कर सकते हैं। अभिनेता ने आगे कहा, मेरे अनुसार, इसमें कोई नयापन नहीं है और मैं ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहता क्योंकि मैं विश्वसनीयता को टेबल पर लाना चाहता हूं और यह कुछ ऐसा है जिसे हासिल करना मुश्किल है, लेकिन मैं कोशिश कर रहा हूं। मैंने बहुत सारी चीजें सोच रखी है और धीरे-धीरे इसे करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा हूं। बता दें कि फिल्म का निर्देशन रवि उदयवार ने किया है। युद्धा एक्शन फिल्म है। फिल्म के ट्रेलर को देखकर लगता है कि इसमें काफी धमाकेदार एक्शन देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कोविड के चलते यह फिल्म पोस्टपोन हो गई थी और अब इसे सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है।

किस देश का राष्ट्रीय पक्षी है मुर्गा, सवाल सुनकर सोचने पर भी आसानी से नहीं सूझेगा जवाब!

हम जानते हैं कि सामान्य ज्ञान किसी भी नौकरी या परीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण विषय होता है। जनरल नॉलेज किसी भी नौकरी की परीक्षा में आता ही है। ऐसे में हर किसी को इसके बारे में जानकारी होनी ही चाहिए।

इस तरह की जानकारियां हमारे ज्ञान को बढ़ाने में मदद मिलती है। हमें देश-विदेश के बारे में पता चलता रहता है और हम अपने दोस्तों और परिचितों के बीच भी अपने ज्ञान की वजह से सम्मान पाते हैं। हर देश एक विशेष राष्ट्रीय पशु या राष्ट्रीय पक्षी का चयन करता है। हमारे देश का राष्ट्रीय पक्षी मोर है। इसी तरह मुर्गा भी किसी देश का राष्ट्रीय पक्षी है। क्या आप उस देश का नाम जानते हैं?अब आते हैं सवाल के जवाब पर। थोड़ी सी समझदारी से इसका जवाब देना संभव है। वैसे इसका जवाब है हमारा पड़ोसी देश श्रीलंका है। यहां राष्ट्रीय पक्षी श्रीलंकाई जंगल फाउल यानि जंगलमुर्गी है। पहले इसे सीलोन जंगलफाउल कहा जाता था। यह पक्षी केवल श्रीलंका के विभिन्न वन क्षेत्रों में पाया जाता है। यह मुर्गे की एक प्रजाति है। जंगली मुर्गे सर्वाहारी यानि शाकाहारी और मांसाहारी दोनों होते हैं। जंगली मुर्गे की लंबाई लगभग 35 सेमी और वजन 510-645 ग्राम होता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि श्रीलंका के अलावा यूरोपीय देश फ्रांस का राष्ट्रीय पक्षी मुर्गा ही है। यहां गैलिक रूस्टर यानि एक किस्म के जंगली मुर्गे को राष्ट्रीय पक्षी बनाया गया है।

अजब-गजब | यह होगी दुनिया की दूसरी ऊंची इमारत

इस इमारत में होंगे दुनिया के सबसे ऊंचे नाइटक्लब, रेस्टोरेंट और होटल

दुनिया की सबसे ऊंची इमारतों में अपनी इमारत को शामिल करना एक प्रतियोगिता की तरह है। इसमें दुबई की बुर्ज खलीफा सबसे शीर्ष पर है। इसके बाद सूची में दुनिया के कई शहर हैं। दुबई का स्थान चौथे नंबर पर भी है। लेकिन वही की एक कंपनी दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची गगनचुंबी इमारत का ऐलान किया है। इसमें ग्रह का सबसे ऊंचा नाइट क्लब भी होगा।

दुबई में अजीजी डेवलपमेंट्स कंपनी की बुर्ज अजीजी की ऊंचाई 725 मीटर होगी, जो अपने पड़ोसी बुर्ज खलीफा से ठीक पीछे है, जिसकी ऊंचाई 830 मीटर है। कंपनी का कहना है कि 1.15 बिलियन पाउंड यानी करीब 126 अरब 49 करोड़ रुपये की लागत वाले इस टॉवर का निर्माण पहले ही शुरू हो चुका है।

उम्मीद है कि यह चार साल के भीतर यानी 2028 में पूरा हो जाएगा। 131 मंजिलों से अधिक ऊंची इस गगनचुंबी इमारत की बिक्री फरवरी 2025 में शुरू होगी। इसमें सात सांस्कृतिक थीम से प्रेरित एक अनोखा ऑल-सूट सात सितारा होटल होगा, साथ ही इसमें पेंटहाउस, अपार्टमेंट और हॉलिडे होम जैसे आवास भी होंगे। इस इमारत में एक अनूठा अवलोकन डेक और एड्रेनालाईन ज़ोन भी होगा, साथ ही कई विश्व

रिकॉर्ड तोड़ने वाली सुविधाएं भी होंगी। इनमें लेवल 11 पर दुनिया की सबसे ऊंची होटल लॉबी, लेवल 126 पर सबसे ऊचा नाइट क्लब, लेवल 130 पर सबसे ऊंचा अवलोकन डेक, लेवल 122 पर दुबई का सबसे ऊँचा रेस्टोरेंट और लेवल 118 पर दुबई का सबसे ऊचा होटल कमरा होगा।

शेख जायद रोड पर एकमात्र फ्रीहोल्ड प्रॉपर्टी होने वाला यह टावर, सात मंजिलों पर एक वर्टिकल रिटेल सेंटर, एक लग्जरी बॉलरूम और एक बीच क्लब भी शामिल करेगा। अजीजी डेवलपमेंट्स के संस्थापक और अध्यक्ष मीरवाइस अजीजी ने कहा, बुर्ज अजीजी में हमारा निवेश, जो AED- 6 बिलियन यानी 660 अरब से भी अधिक है, केवल एक प्रतिष्ठित संरचना के निर्माण से कहीं अधिक है। बुर्ज अजीजी सिर्फ अपनी विशालता या बेहतरीन लोकेशन के बारे में नहीं है, बल्कि अपने अभिनव डिज़ाइन और अत्याधुनिक तकनीक के साथ, यह टॉवर अल्ट्रा-लक्ज़री आवास, एक अद्वितीय वर्टिकल शॉपिंग मॉल, और ढेर सारी सुविधाएं और खाने के अनुभव प्रदान करेगा, जो सभी असाधारण ऊंचाइयों पर स्थित हैं। शेख जायद रोड पर एकमात्र फ्रीहोल्ड प्रॉपर्टी होने वाला यह टावर, सात मंजिलों पर एक वर्टिकल रिटेल सेंटर, एक लग्जरी बॉलरूम और एक बीच क्लब भी शामिल करेगा। अजीजी डेवलपमेंट्स के संस्थापक और अध्यक्ष श्री मीरवाइस अजीजी ने कहा, बुर्ज अजीजी में हमारा निवेश, जो AED- 6 बिलियन यानी 660 अरब से भी अधिक है, केवल एक प्रतिष्ठित संरचना के निर्माण से कहीं अधिक है। बुर्ज अजीजी सिर्फ़ अपनी विशालता या बेहतरीन लोकेशन के बारे में नहीं है, बल्कि अपने अभिनव डिज़ाइन और अत्याधुनिक तकनीक के साथ, यह टॉवर अल्ट्रा-लक्ज़री आवास, एक अद्वितीय वर्टिकल शॉपिंग मॉल, और ढेर सारी सुविधाएं और खाने के अनुभव प्रदान करेगा, जो सभी असाधारण ऊंचाइयों पर स्थित हैं।

अडानी पोर्ट्स कांडला बंदरगाह पर विकसित करेगा बर्थ

वित्त वर्ष 2027 में चालू करने की कोशिश

» बहुउद्देश्यीय कार्गो के लिए गुजरात में मिला काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने घोषणा की कि वह गुजरात के कांडला बंदरगाह पर एक बहुउद्देश्यीय बर्थ विकसित करेगा। भारत के सबसे बड़े बंदरगाह डेवलपर-सह-ऑपरेटर ने एक बयान में कहा, कांडला में दीनदयाल बंदरगाह पर बर्थ नंबर 13 बहुउद्देशीय कार्गो को संभालेगा और वित्त वर्ष 2027 में चालू होने की उम्मीद है। एपीएसईजेड के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ अश्वनी गुप्ता ने कहा, बर्थ संख्या 13 दीनदयाल बंदरगाह पर हमारी उपस्थिति में विविधता लाएगी।

हम अब बंदरगाह पर बहुउद्देशीय स्वच्छ कार्गो को संभालेंगे, इसके अलावा ड्राई बल्क कार्गो को भी संभालेंगे, जिसे हम पहले से ही संभालते हैं। बर्थ नंबर 13 300 मीटर लंबा है और सालाना 5.7 एमएमटी (मिलियन मीट्रिक टन) क्षमता प्रदान करता है। अडानी पोर्ट्स ने एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, डीपीए कंटेनर एंड क्लीन कार्गो टर्मिनल लिमिटेड (डीपीएसीसीसीटीएल) को शामिल किया है, जो बर्थ पर परिचालन करेगी। एपीएसईजेड विश्व स्तर पर विविधीकृत अडानी समूह का एक हिस्सा, पश्चिमी तट पर रणनीतिक रूप से स्थित 7 बंदरगाहों और टर्मिनलों और पूर्वी तट पर 8 बंदरगाहों और टर्मिनलों के साथ भारत में सबसे बड़ा बंदरगाह डेवलपर और ऑपरेटर है।

अडानी पोर्ट्स को 30 साल के लिए मिला एलओआई

जुलाई में, अडानी पोर्ट्स को 30 साल की रियायती अवधि के लिए बर्थ के विकास, संचालन और रखरखाव के लिए आशय पत्र (एलओआई) प्राप्त हुआ था। कंपनी ने कहा कि वह कंटेनर कार्गो सहित बहुउद्देशीय स्वच्छ कार्गो के लिए डीबीएफओटी (डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण) मॉडल के तहत बर्थ विकसित करेगी।

गुजरात और उत्तर भारत में ग्राहकों को सेवा देने की क्षमता बढ़ेगी : अश्वनी

एपीएसईजेड के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ अश्वनी गुप्ता ने कहा, यह बर्थ पश्चिमी तट पर हमारी स्थिति को और मजबूत करेगी और गुजरात और उत्तर भारत में ग्राहकों को सेवा देने की हमारी क्षमता को बढ़ाएगी। वहीं यह भी जानकारी दी गई कि अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन ने अपने शेयर1.89 प्रतिशत बढ़ाकर 1457.25 रुपये कर दिया है। यह शेयर निफ्टी-50 में शामिल हैं।

किसानों को मूर्ख बना रही बीजेपी सरकार : सिंघार

» नेता प्रतिपक्ष ने सीएम मोहन को घेरा

» एमपी में एमएसपी पर सोयाबीन खरीद को लेकर सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। केंद्र सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है मध्य प्रदेश के किसानों से एमएसपी पर सोयाबीन की खरीदी की जाएगी। वहीं कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ छलावा बता रही थी। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि एमएससी पहले से लागू है नया क्या किया आपने। गौरतलब है कि मोहन कैबिनेट ने प्रदेश में सोयाबीन का एमएसपी बढ़ाने का प्रस्ताव पास किया था। प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार से आग्रह किया था। जिस पर तत्काल केंद्र सरकार ने एमपी के किसानों के सोयाबीन की एमएसपी पर खरीदी की अनुमति दी है। इस फैसले पर सीएम डॉ मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और वाणिज्य मंत्री का आभार जताया हैं।

उमंग सिंगार ने सरकार पर हमला बोलते हुए सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि मध्यप्रदेश का किसान ढूंढी रियो, मामा कां खोई गयो तुम किसानों को कितना मूर्ख बनाएगी एमपी सरकार। सोयाबीन की जिस एमएसपी को अजूबा बताकर श्रेय लूटा जा रहा है, वो तो पहले से ही तय थी! आपने इसमे नया क्या किया? कैबिनेट में उसी एमएसपी पर मुहर लगाकर ढिंढोरा पीट रही है। पर मध्य प्रदेश सरकार जरा ये बताए की सोएबीन की एमएसपी की दर पर खरीदी कब शुरू करेगी? जब खरीदी शुरू होगी और किसानों के खाते में पैसे आ जाएंगे, तब किसान आपकी बात मानेंगे। प्रदेश के किसानों ने शिवराज जी को मुख्यमंत्री बनाया और इसी के बदौलत कृषि मंत्री बने लेकिन उन्होंने मध्य प्रदेश के किसानों को कुछ नहीं दिया।

यूपी जंप रोप एसोसिएशन के अध्यक्ष बने संजय सिंह

» सलाना मीटिंग में पूरी कार्यकारिणी गठित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश जंप रोप एसोसिएशन की सलाना मीटिंग संजय सिंह की अध्यक्षता तथा रमेंद्र सिंह के निरीक्षण में आयोजित की गई। जिसकी जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश जंप रोप एसोसिएशन के प्रमुख सचिव असलम वारसी ने बताया कि इस मीटिंग का उद्देश प्रदेश में जंप रोप खेल को बढ़ावा देना तथा नए सदस्यों का चुनाव करना है। इस आयोजन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए लोगो ने हिस्सा लिया जिनमे बाराबंकी, अयोध्या, सुल्तानपुर, आजमगढ़, बलिया, बनारस, हरदोई, जौनपुर, सीतापुर, लखीमपुर, बहराइच, चंदौली, कानपुर शामिल रहे।

इस मीटिंग में निम्नलिखित लोगो को विभिन्न पदो के लिए मनोनीत किया गया- . डा. जयंत चौधरी - मेंटोर , तोसीफ़ अहमद लारी - चेयरमैन, संजय कुमार सिंह - अध्यक्ष, अरविंद कुमार सिंह - प्रमुख उपाध्यक्ष ,शरीफ तारा - उपाध्यक्ष, असलम वारसी - प्रमुख सचिव,मुशाहिद खान - सयुक्त सचिव, अनुज कुमार - सयुक्त सचिव, घनश्याम - सयुक्त सचिव, रमेंद्र सिंह कोषाध्यक्ष।

आखिर बरामद हो गया लूटकांड का सोना

» सुलतानपुर में हुई ज्वेलर्स से लूट में पुलिस को 15 दिन बाद मिली सफलता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। पखवारे भर पहले शहर के व्यस्ततम इलाके ठठेरी बजार में भरत ज्वेलर्स पर हुई लूट की घटना ने जिले समेत पूरे प्रदेश को हिला दिया था। घटना के बाद पुलिस लगातार एक्शन मोड़ में दिखी और लगातार लुटेरे गिरफ्तार होते गए साथ ही माल की बरामदगी भी हुई । घटना के छह दिन बाद पुलिस ने मुठभेड़ में तीन लुटेरों को आंशिक लूटी गयी चांदी के साथ गिरफ्तार किया।

बाद में एक लुटेरा मंगेश यादव पुलिस मुठभेड़ में पुलिस की गोलियों का शिकार हुआ, जिस पर जम कर बयानबाजी और राजनीती भी हुई, विपक्ष ने पूछा कि लूट का सोना कहां हैं। उधर घटना के पीड़ित सराफा व्यवसायी ने भी पुलिस कि कार्यवाही पर संतोष व्यक्त किया और कहा की उनके लूट के सामान के लगभग 95 प्रतिशत बरामदगी हो चुकी है।

मुख्य साजिशकर्ता की निशानदेही पर हुई जब्ती

इस बीच घटना के मुख्य साजिशकर्ता विपिन सिंह को रायबरेली जेल से सुल्तानपुर अदालत से रिमांड मिलती है और सिलसिला शुरू होता है, मुख्य आरोपी से पूछताछ का, जिसके बाद उसकी निशानदेही एवं अन्य सूचना के साथ पुलिस ने अपनी सक्रियता से चार और लुटेरों को गिरफ्तार किया जिनके नाम दुर्गेश प्रताप सिंह, विनय शुक्ल, अरविन्द यादव, विवेक सिंह हैं। इन सभी से पूछताछ में लूट के सोने की बरामदगी भी हो गयी।

राजकुमार की हैट्रिक, भारतीय टीम सेमीफाइनल में

» एशियन चैंपियंस ट्रॉफी : मलेशिया की हॉकी टीम को 8-1 से रौंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को बुरी तरह से हराया। इसके साथ ही भारतीय हॉकी टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इस मुकाबले को भारतीय टीम ने 8-1 से अपने नाम किया। भारत का ये तीसरा मुकाबला था, उसने अपने तीनों ही मैच जीत लिए हैं। इस तरह वह पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है।

इस मुकाबले में भारत के राजकुमार पाल ने हैट्रिक जड़ी। गत चैंपियन भारत ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट में मलेशिया को 8-1 से मात दी। इसके साथ ही भारतीय टीम ने तीसरी जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल के लिए भी क्वालिफाई किया। भारत के लिए सबसे पहला गोल राजकुमार पाल ने किया। वह सर्कल के किनारे से गेंद को तेजी से आगे ले गए और 5 मिनट के अंदर ही उसे गोल में पहुंचा दिया। राजकुमार ने तीसरे, 25वें और 33वें मिनट में तीन गोल दागे। वहीं अराईजीत सिंह हुंडल ने छठे और 39वें मिनट में दो गोल किए। जुगराज सिंह ने सातवें, हरमनप्रीत सिंह ने 22वें और उत्तम सिंह ने 40वें मिनट में एक एक गोल दागे। मलेशिया के लिए अखिमुल्लाह अनुवर ने 34वें मिनट में एक गोल किया।

मोदी ने की पीआर श्रीजेश की तारीफ

हॉकी को अलविदा कह चुके महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिला लेटर सोशल मीडिया पर साझा किया। इसमें प्रधानमंत्री ने खेल में उनके योगदान की सराहना करते हुए विश्वास जताया है कि वह नये राष्ट्रीय जूनियर कोच के रूप में भी उतने ही प्रभावी होंगे। तोक्यो ओलंपिक के बाद पेरिस में कांस्य जीतने के बाद श्रीजेश ने हॉकी से विदा ली। भारतीय हॉकी की दीवार कहे जाने वाले श्रीजेश एशियाई खेलों में दो स्वर्ण और चैम्पियंस ट्रॉफी में दो रजत भी जीत चुके हैं। हॉकी इंडिया ने उन्हें जूनियर टीम का नया मुख्य कोच बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लेटर में लिखा कि मुझे विश्वास है कि नयी भूमिका में भी आपका काम उतना ही प्रभावी और प्रेरणास्पद होगा। उन्होंने 16 अगस्त को लिखे लेटर में कहा कि आपने खेल से विदा लेने का फैसला किया है और मैं भारतीय हॉकी में आपके अपार योगदान की हृदय से सराहना करता हूं।

फिर एक बार पूरी ताकत के साथ आगे बढ़ेगा इंडिया गठबंधन : खरगे

» बोले कांग्रेस अध्यक्ष -भाजपा की कोशिश होगी नाकाम

» कांग्रेस- एनसी का गठबंधन नहीं होगा कमजोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे अनंतनाग में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित की। कांग्रेस नेता इस रैली में भाजपा व पीएम मोदी को खूब लताड़ लगाई। रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, भाजपा भाषण तो बहुत देती है, लेकिन करनी और कथनी में बहुत अंतर है। भाजपा कितनी भी कोशिश कर ले, कांग्रेस और एनसी का गठबंधन कमजोर नहीं होगा।

हमने संसद में अपनी ताकत दिखा दी है... हम उसी ताकत के साथ आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का गठबंधन देख भाजपा बौखला गई है, इसलिए वह जम्मू-कश्मीर की लिस्ट बार-बार बदल रही है। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि भाजपा के लोग इंडिया गठबंधन की एकता को देखकर डर गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा,यह एक जुमला है। उन्होंने पहले भी यही बात कही थी। उन्होंने दो करोड़

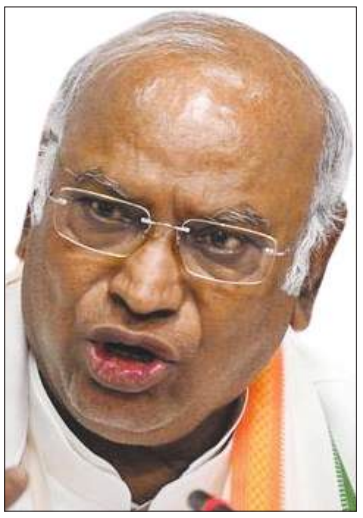

नौकरियां देने का वादा किया था, 10 साल हो गए, क्या उन्होंने दीं? जो यहां एक लाख लोगों की भर्ती नहीं कर सके, वो पांच लाख नौकरियां क्या देंगे? झूठ बोलने वालों पर भरोसा मत करना, मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों से ये अपील करता हूं कि जो सच बोलते हैं, उन्हें वोट दें आजादी के बाद से उनके साथ रहे हैं, उन्हें कांग्रेस पार्टी और एनसी को वोट देना चाहिए।

बीजेपी लोगों को धर्म के नाम पर बांटने की कोशिश कर रही

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, अनंतनाग एक ऐतिहासिक महत्व रखने वाली जगह है। यहां मौजूद अमरनाथ जी की गुफा के दर्शन के लिए हजारों लोग आते हैं, क्योंकि यह धार्मिक एकता का स्थल है। आज भाजपा यहां के लोगों को धर्म के नाम पर बांटने की कोशिश कर रही है, लेकिन वो कभी कामयाब नहीं होंगे। हम सब एक हैं और हमेशा एक रहेंगे। राहुल गांधी जी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी। इस यात्रा में इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे काफी कामयाबी मिली।

झूठ बोलने में शर्माते नहीं मोदी जी

जम्मू-कश्मीर में आज हर जगह हमले हो रहे हैं, फिर भी मोदी जी झूठ बोलने में शर्माते नहीं हैं। क्योंकि वे झूठों के सरदार हैं। लेकिन हम सच बोलने वाले लोग हैं। हमने सच बोलकर देश को दशकों तक आगे बढ़ाया है। इस क्षेत्र में 10 साल पहले एक मार्केट बनने वाला था, जिसका उद्घाटन भी हो गया था। लेकिन मोदी सरकार में ये वैसे ही पड़ा रह गया। इसको कोई देखने वाला नहीं है। ये लोग सिर्फ भाषण देते हैं, कोई काम नहीं करते।

एनडीए सरकार ने जम्मू-कश्मीर के लोगों का हक छीन लिया

जम्मू-कश्मीर में पहले 11 किलो चावल मिलता था, आज केवल पांच किलो मिल रहा है। इससे पता चलता है कि गरीबों का हमदर्द कौन है। कांग्रेस की सरकार फूड सिक्योरिटी बिल लेकर आई। यही कांग्रेस और भाजपा में फर्क है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि आप लोग सिर्फ भाषण देने वालों पर नहीं, काम करने वालों पर भरोसा कीजिए। भाजपा और नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के लोगों का हक छीन लिया है। हमारा वादा है, उनका हक लौटाकर रहेंगे।

मतदान से पहले मेरी और पिछली सरकार के काम का मूल्यांकन करें लोग : सोरेन

» भाजपा व विपक्ष के आरोपों को झारखंड सीएम ने खारिज किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। विपक्ष के आरोपों का झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि लोग विधानसभा चुनाव में वोट देने से पहले उनकी सरकार और पिछली सरकार के काम का मूल्यांकन करें। गोड्डा जिले में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में सोरेन ने लगभग 358 करोड़ रुपये की लागत वाली 147 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए हमें वोट मांगने का पूरा अधिकार है। हमने जनता के लिए काम किया है। हाल ही में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने आरोप लगाया था कि झारखंड सरकार वोट के लिए योजनाएं लागू कर रही है। आबकारी कांस्टेबल भर्ती भी वोट के लिए की गई। विपक्ष के इन आरोपों पर झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि सभी को आकलन करना चाहिए कि पिछली सरकारों ने 20 साल तक जनता को कैसे लूटा। हमारी सरकार के पिछले साढ़े चार साल के कार्यकाल में आपको क्या अधिकार मिले।

गांवों में गरीब लोगों को कर्ज से बचाया

झामुमो नेता ने कहा कि हमारी सरकार ने झारखंड मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना (जेएमएमएसवाई) शुरू की है। इससे राज्य की लगभग 50 लाख महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। सोरेन ने कहा कि विपक्ष का आरोप है कि हमने वोट के लिए योजना शुरू की है। लेकिन मैं जानता हूं कि गांवों में गरीब लोग आज भी छोटी-छोटी जरूरतों, बच्चों की पढ़ाई और इलाज के लिए साहूकारों से कर्ज लेते हैं। आने वाले दिनों में सरकार ऐसी योजना लाएगी कि हर घर में एक लाख रुपये की राशि पहुंचे। ताकि लोगों को साहूकारों से कर्ज न लेना पड़े।

मणिपुर पर क्यों खामोश हैं पीएम

उन्होंने कहा कि सरकार ने ग्रामीण झारखंड को सशक्त बनाने के लिए कार्यक्रम शुरू किए हैं। गरीबों, छात्रों, युवाओं और महिलाओं के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। सोरेन ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मणिपुर एक साल से अधिक समय से जल रहा है और महिलाओं की इज्जत लूटी जा रही है। लोग पलायन को मजबूर हैं, लेकिन प्रधानमंत्री ने एक बार भी वहां का दौरा नहीं किया। झारखंड में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

तमिलनाडु में कार और लॉरी की टक्कर में पांच की जान गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में चिदंबरम के पास एक कार और लॉरी की टक्कर में एक ही परिवार के 3 वर्षीय बच्चे समेत पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

यह दुखद दुर्घटना गुरुवार सुबह कामियामकुप्पम में हुई, जहां चिदंबरम से कुड्डालोर जा रहा एक ट्रक एक कार से टकरा गया। कार में सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। चेन्नई का यह परिवार मयिलादुथुराई जा रहा था। मृतकों की पहचान यासिर (40), मोहम्मद अनवर (56), हाजीता बेगम (62), सरपद निशा (30) और 3 वर्षीय अपनान नामक एक लड़के के रूप में हुई है।

कश्मीर ने मोदी को नकारा : राशिद

» रिहाई के बाद बोले- हमें एनडीए-इंडिया से मतलब नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के बारामुल्ला निर्वाचन क्षेत्र से सांसद इंजीनियर राशिद जेल से रिहा हुए। रिहाई के बाद इंजीनियर राशिद ने एनडीए सरकारय भाजपा व पीएम मोदी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने पीएम मोदी को नकार दिया है। साथ ही कहा उनका किसी से कोई लेना-देना नहीं। एनडीए-इंडिया से उन्हें मतलब नहीं है।

जम्मू-कश्मीर के मसले हल करना हमारा मुद्दा है। पीएम मोदी की नया कश्मीर की कहानी जम्मू-कश्मीर में पूरी तरह से विफल रही है। इंजीनियर राशिद ने कहा कि मैं अपने लोगों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध हूं। हम डरने वाले नहीं हैं। उमर अब्दुल्ला जो कहते हैं, मेरी लड़ाई उससे भी बड़ी है। इंजीनियर राशिद को 2 अक्तूबर तक अंतरिम जमानत प्रदान की गई है। रशीद ने 18, 25 सितंबर और 1 अक्तूबर को होने वाले आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत की मांग करते हुए अदालत का रुख किया था। 18 सितंबर को कश्मीर में पहले चरण के मतदान से कुछ दिन पहले जमानत मिली है। राशिद के भाई चुनाव लड़ रहे हैं। इंजीनियर राशिद बारामुल्ला निर्वाचन क्षेत्र से सांसद हैं। उनके भाई खुर्शीद अहमद अवामी इत्तिहाद पार्टी (एआईपी) के उम्मीदवार के रूप में उत्तरी कश्मीर की लंगेट सीट से जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 लड़ रहे हैं। उमर अब्दुल्ला के खिलाफ लोकसभा चुनाव जीतने से पहले राशिद इस सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं।

आसमान से बरस रही जानलेवा बारिश

दतिया में किले की दीवार गिरने से 5 की मौत, मैनपुरी में भी गई 5 की जान

» कई राज्यों में बाढ़ से कई ने गंवाई जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश केकई राज्यों में बारिश मौत बनकर बरस रही है। यूपी, एमपी, राजस्थान में पिछले 24 घंटों में जोरदार वर्षा से कई लोंगों की मौत हो गई। मौसम विभा अभी तीन दिनों इन क्षेत्रों में तेज बारिश की चेतावनी दी है।

मप्र के दतिया में 400 साल पुराने किले की दीवार गुरुवार सुबह करीब साढ़े 3 बजे गिर गई। दो लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। रेस्क्यू जारी है। वहीं यूपी के मैनपुरी में भी पांच लोगों की जान चली गई। कुछ लोग छप्पर के

मकान में थे।

बंगाल की खाड़ी में बने स्ट्रॉन्ग सिस्टम के चलते मध्य और उत्तर भारत में बुधवार को भारी बारिश हुई। कई शहरों में बाढ़ है तो कई जिलों का सड़क संपर्क टूट गया है। नदियों किनारे बसे गांवों से लोगों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाना पड़ा है। दतिया में 400 साल पुराने किले की दीवार गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। सुजान गंगा नदी ओवरफ्लो होने से कोटा और भरतपुर में बाढ़ के हालात बन गए हैं। गुरुवार को जयपुर, अजमेर, उदयपुर समेत 7 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। सुकमा-बीजापुर से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश का संपर्क कटा हुआ है। राजनांदगांव में शिवनाथ नदी का पानी घुसने से 11 गांव पानी में घिर गए हैं। यहां 30 साल बाद बाढ़ आई है।

यूपी के 10 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

झांसी-जालौन में 36 घंटे से जारी बारिश की वजह से घरों में पानी भर गया। एटा, झांसी, ललितपुर, आगरा, कन्नौज, इटावा, जालौन और हाथरस में 12वीं तक के स्कूलों में गुरुवार को छुट्टी कर दी गई है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय: 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।